

1

---

---

---

---

---

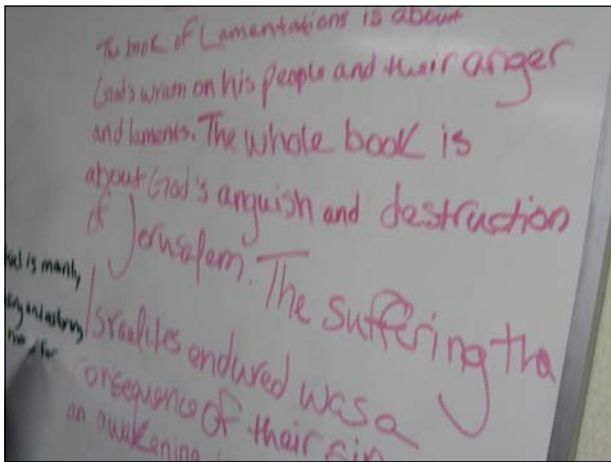
---

---

---

---

---



2

---

---

---

---

---

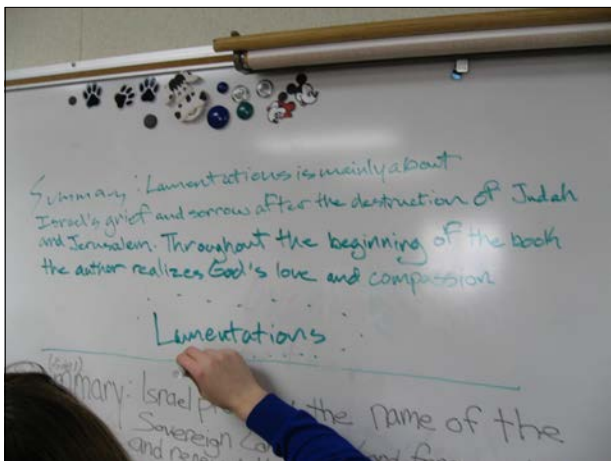
---

---

---

---

---



3

---

---

---

---

---

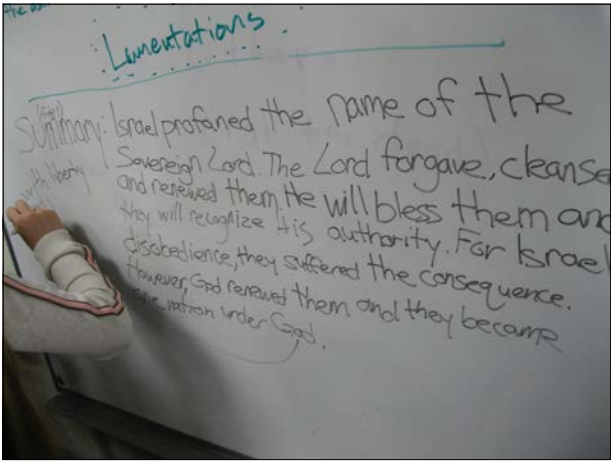
---

---

---

---

---



4

---

---

---

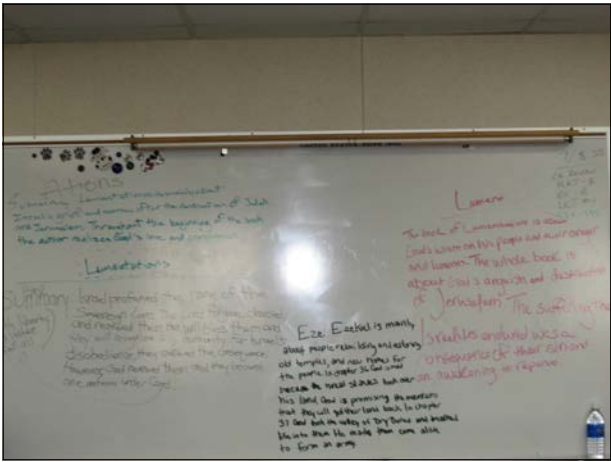
---

---

---

---

---



5

---

---

---

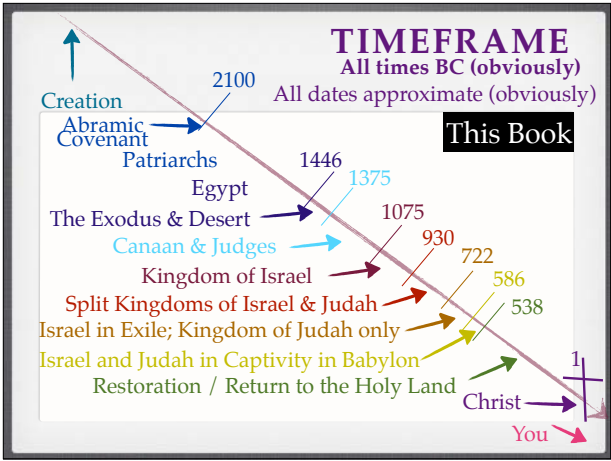
---

---

---

---

---



6

---

---

---

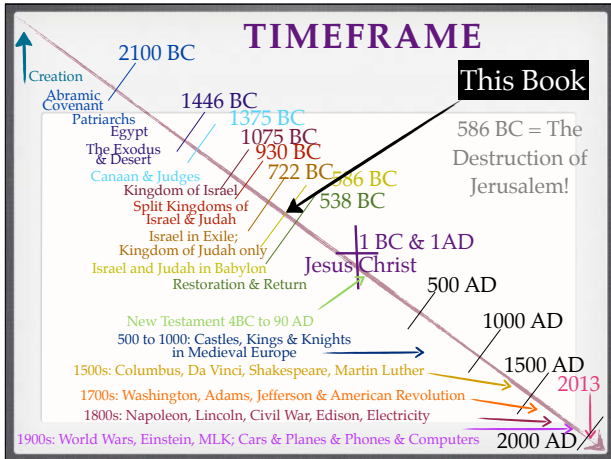
---

---

---

---

---



7

---



---



---



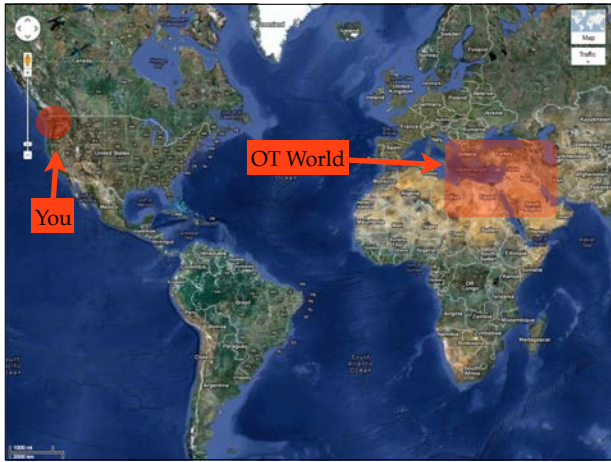
---



---



---



8

---



---



---



---



---



---



9

---



---



---



---



---



---

## TYPE OF BOOK

- Moses' Torah / Pentateuch
- History
- Poetry & Wisdom
- Major (Long-book) Prophets ✓
- Minor (Short-book) Prophets

10

---

---

---

---

---

---

---

---

## AUTHOR

- II Chronicles 35:25
- Similarity between Jeremiah and Lamentations
- so, Jeremiah?
- proly
- CSSB 1218

11

---

---

---

---

---

---

---

---

## READERS & RECIPIENTS

- everyone?

12

---

---

---

---

---

---

---

---

## STORYLINE

- Chapter 1: The Destruction of Jerusalem
- Chapter 2: The Anger of God
- Chapter 3: The Prayer for Mercy
- Chapter 4: The Siege of Jerusalem
- Chapter 5: The Prayer for Restoration
- CSB

13

---

---

---

---

---

---

## Major OT Themes found in this Book:

14

1. God is Love
2. God Creates
3. Israel (we) are supposed to be God's Obedient Servants
4. Israel (we) are Sinful
5. God is Angry with His People for Rejecting Him
6. God Forgives and Blesses those who Follow Him
7. Israel (we) are God's Chosen Examples
8. God Speaks through His Prophets
9. God is Always with His People
10. God is Just and Merciful
11. God Keeps His Promises
12. Israel (we) are Redeemed and Restored by the Blood of Christ
13. Israel (we) are JoGoFd
14. Israel (we) will Inherit the Kingdom of God

---

---

---

---

---

---

## THEOLOGICAL CONTRIBUTION

15

- "Jerusalem was the site of the Temple of God, the place where God's presence dwelt and where sacrifice could be made to him. In later years Jerusalem became the focal point of God's final work of salvation in person of Jesus Christ. The Book of Lamentations reminds us of the central role which this city has always played in God's work of redemption in the world."
- CSB 135

---

---

---

---

---

---

**SECULAR  
CONTRIBUTION**

- ?

16

---

---

---

---

---

---

---

---

**KEY VERSE**

- 2:5 verses (haha) 3:22

17

---

---

---

---

---

---

---

---

**REQUIRED READING**

- 2 & 3
- 2 is destruction, and lament since God has destroyed Israel
- 3 is praise to God for staying faithful to his people

18

---

---

---

---

---

---

---

---

### WHEN TO TURN HERE

- Turn here in times of sadness, frustration, depression. When nothing is going right, God is still there for you.

---

---

---

---

---

---

---

---



### LUTHER SAYS:

- "Sobs and complaints of this kind are usually uttered by those who struggle with unbelief and despair and cannot buoy up their heart or lay hold of salvation" LSB 1295

---

---

---

---

---

---

---

---



### MR. MARTIN SAYS:

- Law: "The Lord pours out His anger against the kingdom of Judah; Judah finds no comfort; she cries, mourns, weeps, and laments the siege and exile."
- Gospel: "The steadfast love of the Lord never ceases; great is His faithfulness; wait quietly for the salvation of the Lord; He has redeemed you."
- LSB 1295

---

---

---

---

---

---

---

---

## LIFE LESSONS FROM LAMENTATIONS

22

### Lamentations:

Sadness, frustration and complaining are in our lives every day. Lamentations is a whole book about these emotions. How does God want us to deal with our laments?

---

---

---

---

---

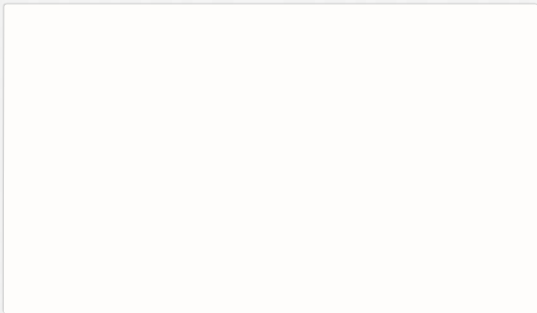
---

---

---

## ACTIVITIES

23



---

---

---

---

---

---

---

---